

२०१९/००३७८

फर्द अहकाम  
नियम 26

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी मुकाम पदमपुर

परमजीत सिंह बनाम राजविन्द्र कौर उर्फ पीपी आदि

किस्म मुकदमा - 152 सीपीसी

प्रकरण सं०...२७...सन 2019

तामिल हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	
०३/१२/१९	<p>प्रार्थी परमजीत सिंह पुत्र हरिसिंह जाति जटसिख निवासी 2 बीबी की ओर से श्री नरेश जाखड़ अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 152 सीपीसी पेश करने पर पत्रावली पेशी में ली गई, प्रार्थी के प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया है कि श्री मान न्यायालय द्वारा दिनांक 07.11.2019 को निर्णय को हो चुका है जिसमें प्रतिवादी सं० 1 राजविन्द्र कौर उर्फ पीपी के नाम भूमि 1.897 है० लिखी गई जो कि दावे अनुसार थी, लेकिन प्रतिवादी सं० 1 राजविन्द्र कौर उर्फ पीपी द्वारा 1.075 है० भूमि का बैचान किया जा चुका था और राजविन्द्र कौर उर्फ पीपी के नाम शेष भूमि 0.822 है० नहरी/बारानी भूमि थी और शेष भूमि अनुसार ही वादीगण को भूमि दी जानी थी, इसलिए वादीगण अब निर्णय व डिक्री दिनांक 07.11.2019 में संशोधन करवाना चाहता है, संशोधन अनुसार पदमपुर तहसील के चक 2 बीबी की जमाबन्दी सम्वत 2071-74 के खाता सं० 55/75 के मुर्बा नं० 37 में दर्ज प्रतिवादी सं० 1 राजविन्द्र कौर उर्फ पीपी के नाम 0.822 है० नहरी/बारानी समस्त भूमि का वादी सं० 1 परमजीत सिंह को खातेदार मालिक घोषित किया जावे व प्रतिवादी सं० 2 नवरीत कौर के नाम दर्ज 2.024 है० में से 0.431 है० नहरी/बारानी भूमि का वादी सं० 1 परमजीत सिंह को खातेदार मालिक घोषित किया जावे व प्रतिवादी सं० 2 नवरीत कौर के नाम दर्ज शेष भूमि में से 0.431 है० नहरी/बारानी भूमि का वादी सं० 2 सज्जन सिंह को खातेदार मालिक घोषित किया जावे व प्रतिवादी सं० 3 रणदीप कौर उर्फ रानी के नाम दर्ज 1.240 है० नहरी/बारानी भूमि में से 0.822 है० नहरी/बारानी भूमि का वादी सं० 2 सज्जन सिंह को खातेदार मालिक घोषित होने का संशोधन किया जावे।</p> <p>अतः न्यायहित में तथ्यों व परिस्थितियों को देखते हुए प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है। प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर आदेश दिया जाता है। कि वादी को प्राप्त भूमि में से निर्णय दिनांक 07.11.2019 के चक 2 बीबी की जमाबन्दी सं० 2071-74 के खाता सं० 55/75 के मुर्बा नं० 37 में दर्ज प्रतिवादी सं० 1 राजविन्द्र</p>	

2019  
(शुभाष कुमार)  
उपखण्ड अधिकारी  
पदमपुर (राज०)

